his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

r. No. of Question Paper : 9207 GC

nique Paper Code : 12051403

ame of the Paper : Hindi Paper-X (Hindi Upanyas)

ame of the Course : **B.A. (H) Hindi (CBCS)**

emester : IV

मय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

ात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) कुछ देर के बाद सड़क पर सन्नाटा था, सावन की निद्रा-सी काली रात संसार को अपने अंचल में सुला रही थी और मोटर अनन्त में स्वप्न की भाँति उड़ी चली जाती थी। केवल देह में ठण्डी हवा लगने से गति का ज्ञान होता था। इस अन्धकार में सुखदा के अन्तस्तल में एक प्रकाश-सा उदय हुआ। कुछ वैसा ही प्रकाश, जो हमारे जीवन की अन्तिम घड़ियों में उदय होता है, जिसमें मन की सारी कालिमाएँ, सारी ग्रन्थियाँ, सारी विषमताएँ अपने यथार्थ रूप में नज़र आने लगती हैं।

अथवा

और सचमुच इससे इनके जीवन में भराव भी आता लगा। उन्हें हँसना-बोलना अब कठिन नहीं होता है। मिलकर परामर्श कर योजनाएँ बनाते हैं। दुनिया में बाहर आकर एक को दूसरे की आवश्यकता की कीमत लगती है। संयुक्तता का स्वाद घर से बाहर मालूम है। घर जब एक सदा ही दूसरे के सामने उपस्थित रहता है, और उन्हें परस्पर के अभाव को अनुभव करने का तनिक भी अवकाश होता, तब एक की दूसरे में दिलचस्पी स्वभावतः फीकी-सी पड़ती है। अब खुली दुनिया में आकर वह पग-पग पर दो के एक ही की महत्ता का अनुभव करते हैं।

(ख) उसका पोषण भी धात्री के स्तन से हुआ था। क्या यह उसी कर्म फल है ? बौद्ध श्रमण कहते हैं- मनुष्य अपने कर्म से ही दुख है परन्तु मेरे बच्चे का क्या कर्म है ? अभी तो उत्पन्न ही हुआ उत्पन्न होने से पूर्व ही उसका कर्मफल फूट गया ? वह भी नहीं जा कि किस कर्म का दण्ड वह भोग रहा है। यह भी नहीं जानता वह दण्ड भोग रहा है। हे देवता, अपना अपराध या दुष्कर्म जाने यह अबोध बालक दुष्कर्म से बचने का निश्चय कैसे करे ? यदि दु मैंने किया है तो दण्ड और भोग के लिये प्रस्तुत हूँ।

पहले वह कुछ भी जानता-समझता नहीं था। जानने-समझने की कोई इच्छा भी नहीं थी। पर अब जानने लगा है। और जितना जानता है, उससे बहुत ज्यादा जानने की इच्छा है, बल्कि सब कुछ जान लेने की इच्छा है। उसे मालूम है कि चाचा पापा के पास से आते हैं, और आने पर पापा की बातें करते हैं। क्या बातें करते रहे हैं, उसे नहीं मालूम।

किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

(क) "दिव्या" उपन्यास की भाषा।

(ख) शकुन का चरित्र-चित्रण।

(ग) सुखदा के चरित्र की विशेषताएँ।

(घ) "सुनीता" का उद्देश्य।

'कर्मभूमि' उपन्यास की कथा-वस्तु की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास स्वाधीनता संग्राम की पृष्ठभूमि है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

'आपका बंटी' उपन्यास-कला की दृष्टि से एक सफल रचना है। स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'आपका बंटी' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास है। इस कथन की वि
कीजिए।

5. 'सुनीता' उपन्यास के आधार पर सुनीता का चरित्र-चित्रण की

अथवा

'दिव्या' उपन्यास में इतिहास और कल्पना का अद्भुत समन्वय हुअ
कीजिए।